दैनिक जागरण, 23 अगस्त 2013, पेज-5

सूर्य से उठ रहा सौर तूफान

जाका, नैनीताल : सूर्य से उठा सौर तूफान शनिवार तक धरती के ध्रुवों तक पहुंचेगा। तूफान से पृथ्वी को नुकसान की कोई संभावना नहीं है, अलबत्ता संचार माध्यम भू-उपग्रह प्रभावित हो सकते हैं।

खगोल वैज्ञानिकों के मुताबिक सोलर मैक्सिमम के चलते सूर्य पर सक्रियता बनी हुई है, जिस कारण सूर्य पर भभूकाओं का उठना जारी है। साथ ही अर्थ डायरेक्ट भभूका भी निकल रही है। 20 अगस्त को भी एक सौर भभूका निकली है, जिसमें उच्च ऊर्जावान कण काफी मात्रा में छिटके हैं। सूर्य के दो क्षेत्रों में भभूका उठी थी, जो सूर्य के बाहर चारों दिशाओं में

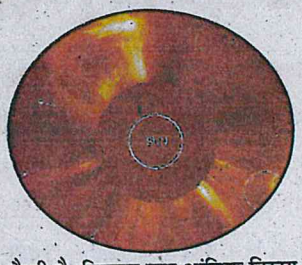

फैली है, जिसका एक आंशिक हिस्सा पृथ्वी की ओर को बढ़ा है। इस सौर तूफान से पृथ्वी को नुकसान की कोई आशंका नहीं है। यह सौर तूफान 570 मील प्रति सेकेंड की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। 24 अगस्त तक पृथ्वी के ध्रुवों तक पहुंच जाएगा। स्टीरिओं व सोहो द्वारा भभूकाओं के चित्र लिए गए

सोलर मैक्सिमम के चलते सूर्य पर सक्रियता बनी हुई है, जिस कारण सूर्य पर भभूका उठ रही हैं। साथ ही अर्थ डायरेक्ट भभूका भी निकल रही है। 20 अगस्त को भी एक सौर भभूका निकली है। –डा. वहाबउद्दीन
कार्यवाहक निदेशक एरीज, नैनीताल

है। एरीज के वैज्ञानिक डा. अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि सौर तूफान के मार्ग में आने वाले सेटेलाइट के इनके प्रभाव में आने से इंकार नहीं किया जा सकता है। सौर तूफानों से पृथ्वी के इलेक्ट्रिक व इलेक्ट्रानिक उपकरणों को खतरा होता है। उच्च ऊर्जावान कणों के टकराने से नष्ट हो जाते हैं।